फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 57 प्रभात जयपुर, रविवार 27 सितम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot Metro

epaper.rashtradoot.com

BAB AL-MANDAB THE NEW CARD... Houthis used the period of relative calm to refit, rearm, recruit, improve domestic weapons production and expand their missile and drone capabilities

The Saree Named After 52 Motifs

Dambhodbhava and the Birth of Karna

यूएनजीए में ईरान ने काफी हद तक अपनी स्थिति स्पष्ट की और सहानुभूति पाई

ईरान ने यूएस के समक्ष शांति प्रस्ताव रखा और कहा कि सम्मानजनक शर्तों पर समझौता हुआ तो वह होर्मुज़ स्ट्रेट खोल देगा

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। स्पष्ट रूप से युद्ध को समाप्त करने और वह भी सम्मानजनक शर्तों पर समाप्त करने के लिए भारी दबाव में ईरान ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूनाइटेड नेशन्स जनरल असैम्बली- यूएनजीए) के सत्र का इस्तेमाल अमेरिका के खिलाफ स्थिति पलटने के लिए किया।

अमेरिका द्वारा होर्मुज़ स्ट्रेट की नाकेबंदी और ईरान के लिए हिंद महासागर के व्यापक समुद्री मार्गों तक पहुंच के सभी रास्ते बंद किए जाने से देश की अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो रही है। ऐसे में ईरान अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण अपने तेल की बिक्री पर लगे प्रतिबंध और अरबों डॉलर की विदेशी संपत्तियों के फ्रीज़ होने से गंभीर आर्थिक दबाव में है।

यदि ईरानी जहाजों की देश से बाहर आवाजाही पर अमेरिकी नाकेबंदी जारी रहती है तो ईरान पूरी तरह आर्थिक पतन के कगार पर पहुंच सकता है। ऐसे में ईरान का अमेरिका को तत्काल युद्धविराम का प्रस्ताव देना समझ में आता है। लेकिन यह संकट में घिरे, अपने रुख पर अड़े और आक्रामक अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए भी एक जीवनरेखा साबित हो सकता है।

साथ ही, खाड़ी के अरब देशों पर ईरान के हमलों और मध्य पूर्व में उसके सहयोगी संगठनों द्वारा क्षेत्र के तेल निर्यातक देशों में पैदा की जा रही तबाही ने भी ईरान के खिलाफ व्यापक नाराज़गी पैदा कर दी थी।

अब तक ईरान को काफी हद तक एक ऐसे अलग-थलग देश के रूप में देखा जा रहा था, जो खाड़ी के अरब देशों पर बेतरतीब ढंग से बमबारी कर रहा था, वैश्विक तेल व्यापार की एक प्रमुख लाइफ लाइन होर्मुज़ स्ट्रेट को अवरुद्ध कर रहा था और पूरी दुनिया में तेल तथा ऊर्जा उत्पादों की आपूर्ति बाधित कर रहा था।

लेकिन ईरान के राष्ट्रपति महमूद पेजेशकियन के बयानों और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची द्वारा संयुक्त राष्ट्र महासभा से इतर की गई द्विपक्षीय वार्ताओं ने विश्व नेताओं तक ईरान का पक्ष पहुंचाने में मदद की है।

ईरान ने अमेरिका के सामने एक संधि प्रस्ताव रखा है और कहा है कि यदि समझौते की उसकी शर्तें स्वीकार कर ली जाती हैं तो एक सप्ताह के भीतर युद्धविराम किया जा सकता है और महत्वपूर्ण होर्मुज़ स्ट्रेट को फिर से खोला जा सकता है। ईरान ने कहा है कि शत्रुता समाप्त करने की उसकी सभी शर्तें जून में हुए समझौता ज्ञापन (एओयू) में पहले ही शामिल हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- युनाइटेड नेशन्स जनरल असैम्बली (यूएनजीए) की मीटिंग में सबसे ज्यादा प्रशंसा बटोरी नेपाल के राष्ट्रप्रमुख युवा प्रधानमंत्री बालेन शाह ने। उन्होंने नेपाल में आई भयावह बाढ़ के लिए विकसित देशों में पर्यावरण के साथ हो रहे खिलवाड़ को दोषी ठहराया और बहुत प्रभावशाली ढंग से अपनी बात कही तथा मांग की कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को अपने एक्शन के नतीजों के प्रति जवाबदेह होना चाहिए।
- ध्यान देने वाली बात यह है कि नेपाल में हुए महाविनाश के लिए सीधे तौर पर चीन जिम्मेदार है और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग यूएनजीए की बैठक में नहीं आए और ना ही आएंगे, हालांकि इस दौरान शी वॉशिंगटन गए थे।

निम्स अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर में आग लगी

जयपुर, 26 सितम्बर। जयपुर-दिल्ली हाईवे स्थित चंदवाजी के निम्स अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज में शुक्रवार देर रात आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। ग्राउंड फ्लोर पर स्थित ऑपरेशन थिएटर की छत की फॉल सीलिंग से आग की लपटें उठीं और देखते ही देखते ओटी व एमआईसीयू क्षेत्र में धुआं भर गया। अस्पताल में चारों तरफ धुआं फैलने से भर्ती मरीजों और उनके परिजनों में दहशत फैल गई। गनीमत रही कि हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। प्रारंभिक जांच में आग का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है।

- आईसीयू में धुआं भरा, मरीजों को वॉर्ड से बाहर निकाला गया।

सूचना मिलते ही, चंदवाजी थाना पुलिस और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। जमवारामगढ़ डीएसपी रामकिशन विश्नोई के अनुसार, अस्पताल के वार्डों में बड़ी संख्या में मरीज भर्ती थे। धुएं के बीच पुलिसकर्मियों ने मुंह पर कपड़ा बांधकर मरीजों और उनके परिजनों को सुरक्षित बाहर निकाला। अस्पताल प्रबंधन ने भी मरीजों को वार्डों से बाहर निकलवाया। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग की सूचना के बाद अस्पताल परिसर में काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल रहा। कई गंभीर मरीजों और उनके परिजनों को रात खुले में बितानी पड़ी। कुछ परिजन अपने मरीजों को लेकर अन्य स्थानों पर चले गए। प्रारंभिक जांच

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भजन क्लबिंग, भजनों को पॉप स्टाइल में गाना अच्छा या बुरा नहीं पर अटपटा जरुर है

भजन क्लबिंग एक नवीनतम ट्रैंड है जिसमें हिंदू भजन कीर्तन को आधुनिक अंदाज़ में कॉन्सर्ट के रुप में पेश किया जाता है भारी तड़क-भड़क के साथ

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राजधानी में एक जोशीले भक्ति संगीत कार्यक्रम में शामिल होने के बाद भजन क्लबिंग को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस ने इसकी आलोचना की है। यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है, जब भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. मुरली मनोहर जोशी ने उत्तराखंड के बद्रीनाथ मंदिर के बाहर हाल ही में आयोजित एक अलग डीजे जैसे कार्यक्रम पर आपत्ति जताई है।

भजन क्लबिंग एक हालिया चलन है, जिसमें पारंपरिक हिंदू भजनों और कीर्तनों को आधुनिक, कंसर्ट जैसे प्रारूप में प्रस्तुत किया जाता है। ऐसे आयोजनों में तेज आवाज वाला संगीत, इलेक्ट्रॉनिक या अकॉस्टिक बीट्स, स्टेज लाइटिंग और मुख्य रूप से युवा दर्शकों की जोशीली भागीदारी होती है, जो तालियां बजाते हैं, गाते हैं और कभी-कभी नृत्य भी करते हैं, जबकि गीतों के बोल भक्ति पर आधारित रहते हैं। इस प्रारूप का उद्देश्य आध्यात्मिकता को आधुनिक प्रस्तुति के साथ जोड़ना है और दिल्ली जैसे शहरों में जेन ज़ी के बीच यह लोकप्रिय हुआ है। मोदी ने जनवरी 2026 में अपने "मन की बात" संबोधन में भी इसकी सराहना की थी और इन आयोजनों को वैश्विक कंसर्ट से कम नहीं बताते हुए कहा था कि इनमें भजनों की पवित्रता बरकरार रहती है।

शुक्रवार, 25 सितंबर को, भारतीय जनसंघ के नेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती के अवसर पर, दीनदयाल उपाध्याय पार्क में आयोजित भजन क्लबिंग कार्यक्रम में शामिल हुए। वे दर्शकों के बीच बैठे नज़र आए और राम भजन के दौरान तालियां बजाने के साथ-साथ, खंजरी जैसे एक वाद्य यंत्र को भी बजाते दिखे। बाद में उन्होंने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसके साथ कैप्शन था, "दिल्ली में भजन क्लबिंग। शानदार!"

कांग्रेस नेता और कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में शामिल होने की आलोचना की। उन्होंने पर लिखा, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास "भजन क्लबिंग" के लिए समय है, लेकिन चुनाव आयोग के जरिए लोकतंत्र की क्लबिंग जैसे गंभीर सवालों का जवाब देने के लिए समय नहीं है।" उन्होंने कहा, "13 वर्षों से एक जाना-पहचाना पैटर्न रहा है, जब सरकार के सामने मुश्किल सवाल आते हैं, तो प्रधानमंत्री उनका जवाब देने के मामले में साफ तौर पर अनुपस्थित रहते हैं। समारोहों में उनकी मौजूदगी होती है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- प्रधानमंत्री ने 25 सितम्बर को नई दिल्ली में एक भजन क्लबिंग कार्यक्रम में भाग लिया, जिसकी कांग्रेस सहित कई विपक्षी नेताओं ने आलोचना की।
- उत्तराखंड में बद्रीनाथ धाम में हुए ऐसे ही भजन क्लबिंग कार्यक्रम की तो भाजपा के ही वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी ने कड़ी आलोचना की और कहा कि यह तीर्थ स्थल की पवित्रता के साथ खिलवाड़ है।

ज्ञानेश प्रकरण पर लीपापोती करने की पूरी कोशिश की जा रही है

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने दो अन्य चुनाव आयुक्तों के साथ मीटिंग कर यह दिखाने का प्रयास किया कि सब ठीक है, पर नतीजा कुछ नहीं निकला

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार द्वारा समूचे विवाद पर लीपापोती करने की कोशिश की जा रही है। "सब कुछ ठीक है" दिखाने के उद्देश्य से उन्होंने दोनों चुनाव आयुक्तों के साथ मीटिंग की, पर इस कोशिश के बावजूद इस बैठक से कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आया है।

भाजपा और पूरा संघ परिवार बराबर कह रहे हैं कि ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे का कोई सवाल ही नहीं है, लेकिन विपक्ष ने उन्हें हटाने के लिए देशव्यापी आंदोलन शुरू कर दिया है।

कांग्रेस मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव का मसौदा तैयार कर रही है, जिसे 29 सितंबर को होने वाली कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में मंजूरी दिए जाने की संभावना है।

इसके बाद, इसे 30 सितंबर को होने वाली विपक्षी गठबंधन "इंडिया" की बैठक के सामने रखा जाएगा। बैठक में पिछले कई वर्षों के दौरान भाजपा और चुनाव आयोग द्वारा कथित तौर पर चुराए गए वोटों की संख्या पर चर्चा की जाएगी।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि ज्ञानेश कुमार देशद्रोह के लिए एकदम उपयुक्त मामला हैं, जो उन्होंने सरकार के शीर्ष दो नेताओं के समर्थन से किया है।

मोदी सरकार ने एक ऐसा कानून पारित किया था, जिसके तहत मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया जा सकता। संभवतः सरकार को पूरी तरह से एहसास था कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- कांग्रेस ज्ञानेश कुमार के खिलाफ एक महाभियोग प्रस्ताव तैयार कर रही है, जिसे 29 सितंबर को कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में स्वीकृति दी जाएगी।
- यह प्रस्ताव 30 सितंबर को इंडिया गठबंधन की बैठक में भी रखा जाएगा, जहाँ इस पर चर्चा होगी।

मुख्य स्कूल शिक्षा सचिव कृष्ण कुणाल के खिलाफ जमानती वारंट जारी

जयपुर, 26 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालत की ओर से जारी नोटिस तामील होने के बाद भी अदालत में स्वयं या अधिवक्ता के पेश नहीं होने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही, अदालत ने आगामी सुनवाई पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख स्कूल शिक्षा सचिव को पांच हजार रुपए के जमानती वारंट से तलब किया है। जस्टिस अनुरूप सिंघी की एकलपीठ ने यह आदेश प्रदीप व अन्य की ओर से दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान, राज्य सरकार की ओर से उपस्थित अधिवक्ता ने कहा कि मामले में पक्षकार बनाए गए प्रमुख

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- नोटिस तामील होने के बाद भी वे स्वयं अथवा अधिवक्ता के द्वारा हाई कोर्ट में पेश नहीं हुए थे।

पंजाब की राजनीति का 60 साल का अनुभव, पर भाजपा में उनसे राय नहीं ली जाती

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता अमरिंदर सिंह ने सार्वजनिक मंच से पीड़ा जाहिर की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। वर्ष 2022 में भाजपा में शामिल हुए पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह इस बात से नाराज़ हैं कि पंजाब की राजनीति में छह दशक का अनुभव होने के बावजूद, पार्टी राज्य से जुड़े मामलों में उनकी राय नहीं लेती। उनकी यह टिप्पणी पंजाब में अगले विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले आई है, जबकि भाजपा राज्य में जीत की उम्मीद कर रही है।

पंजाब के दो बार मुख्यमंत्री रह चुके सिंह ने कहा कि राज्य का कामकाज संभालने वाले भाजपा के कुछ पदाधिकारियों को पंजाब की राजनीति में एक साल भी पूरा नहीं हुआ है। इसके बावजूद, उन्होंने कहा कि पार्टी उनसे सलाह लेना जरूरी नहीं समझती, जबकि उन्होंने करीब 60 वर्षों तक पंजाब और उसके मामलों को करीब से देखा है।

सिंह ने कहा, "मैं और मेरे सहयोगी पंजाब की चुनावी राजनीति में 60 साल गुजार चुके हैं। हमने पंजाब को कई उथल-पुथल से गुजरते देखा है। हमने कई काम किए हैं। हम केवल इतना चाहते हैं कि भाजपा अनुभव पर आधारित हमारी राय ले और उसे महत्व दे।"

सिंह ने 2022 में अपनी पार्टी "पंजाब लोक कांग्रेस" का भाजपा में विलय कर दिया था। उन्होंने 2021 में कांग्रेस से मतभेद के बाद पार्टी छोड़ दी और अपनी पार्टी बनाई थी।

उनके यह बयान ऐसे समय में आए हैं, जब अटकलें लगाई जा रही हैं कि सिंह चुनाव से पहले कांग्रेस में वापस लौट सकते हैं। इस संभावना के बारे में पूछे जाने पर सिंह ने कहा कि राजनीतिक दल बदलते रहते हैं, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि वे भाजपा छोड़ने पर विचार नहीं कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, "मैंने यह नहीं कहा कि कांग्रेस या भाजपा में अब मेरी कोई प्रासंगिकता नहीं है। राजनीतिक दल बदलते रहते हैं। जब मैं कांग्रेस में था, तब, ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद, मैं अकाली दल में भी गया था और बाद में कांग्रेस में लौट आया था। इसका यह मतलब नहीं है कि अब मैं भाजपा छोड़कर किसी दूसरी पार्टी में चला जाऊंगा।"

सिंह ने बाद में दोहराया कि पंजाब को लेकर अपनी राय रखना, भाजपा सदस्य के रूप में, उनकी जिम्मेदारी का हिस्सा है।

पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा, "मैं अपनी पार्टी को यह बताना अपना कर्तव्य समझता हूं कि मैं पंजाब के बारे में क्या महसूस करता हूं। इसका यह मतलब नहीं है कि मैं पार्टी छोड़ रहा हूं।"

अपनी उम्र को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में सिंह ने कहा कि वे 84 वर्ष के हैं, लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि उम्र का मतलब यह नहीं है कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पूर्व क्रिकेटर बिशन सिंह बेदी पर लिखी गई पुस्तक "बिशन विद लव" के विमोचन के अवसर पर सिंह ने कहा, मैं पंजाब को लेकर अपनी पार्टी को सलाह देना चाहता हूँ, यह मेरा कर्तव्य है।
- वर्ष 2022 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए कैप्टन अमरिंदर सिंह ने भाजपा छोड़ने की संभावना से इनकार किया।

ट्रंप ने ईरान का शांति प्रस्ताव ठुकराया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। खबरों के मुताबिक, राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ईरान के सात दिन के युद्धविराम के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है और अमेरिका में नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों के बाद, तेहरान पर फिर से बमबारी शुरू होने की संभावना है।

तेहरान ने प्रस्ताव दिया था कि यदि अमेरिका उसकी मांगें मान लेता है तो रणनीतिक जलमार्ग होर्मुज़ स्ट्रेट को फिर से खोल दिया जाएगा और लड़ाई सात दिनों के भीतर समाप्त कर दी जाएगी। यह लड़ाई इस वर्ष 28 फरवरी को उस समय शुरू हुई थी, जब अमेरिका और इज़रायल ने ईरान पर संयुक्त हमले किए थे। ईरान के विदेश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- नवंबर में मध्यावधि चुनाव के बाद ईरान पर फिर से हमले किए जाने की संभावना है।

अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप की लोकप्रियता 44 प्रतिशत से घटकर मात्र 37 प्रतिशत रह गई

एनजीआर/पीबीएस न्यूज़/मारिस्ट के इस सर्वे में पता चला है कि रजिस्टर्ड वोटर्स के बीच डैमोक्रेट्स को रिपब्लिकन्स पर 12 प्रतिशत की अच्छी बढ़त मिली है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। अमेरिका में 2026 के मिडटर्म चुनाव नजदीक आने के साथ, डॉनल्ड ट्रंप के लिए राजनीतिक चेतावनी की घंटी बज रही है। बढ़ती कीमतें, ईरान में युद्ध और उनके राष्ट्रपति कार्यकाल को लेकर बढ़ता असंतोष चुनावी माहौल को बदल रहा है। कांग्रेस पर नियंत्रण की लड़ाई में डेमोक्रेट्स को रिपब्लिकन से दोहरे अंकों की बढ़त मिल रही है।

एनपीआर/पीबीएस न्यूज़/मारिस्ट के एक नए सर्वेक्षण में उन पंजीकृत मतदाताओं के बीच डेमोक्रेट्स को 53 प्रतिशत और रिपब्लिकन को 41 प्रतिशत समर्थन मिला, जिनसे पूछा गया था कि वे कांग्रेस के लिए किस पार्टी के उम्मीदवारों को चुनना पसंद करेंगे। बारह अंकों की यह बढ़त मतदाताओं की सोच में महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत देती है और कांग्रेस पर अपना नियंत्रण बनाए रखने की रिपब्लिकन पार्टी की उम्मीदों पर दबाव डालती है।

14-15 सितंबर को 1,280 लोगों के बीच किए गए इस सर्वेक्षण में यह भी पाया गया कि डेमोक्रेट्स उन मुद्दों पर भी बढ़त बना रहे हैं, जो परंपरागत रूप से रिपब्लिकन पार्टी के चुनावी मुद्दों का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं, जैसे, अर्थव्यवस्था, इमिग्रेशन, ईंधन की कीमतें और विदेश नीति।

ट्रंप की अप्रूवल रेटिंग केवल 39 प्रतिशत है, जबकि 59 प्रतिशत लोग उनके कामकाज से सहमत नहीं हैं। इससे भी अधिक चौंकाने वाली बात यह है कि 53 प्रतिशत लोग उनके राष्ट्रपति कार्यकाल को बिल्कुल भी पसंद नहीं करते। 2017 में जब से इस सर्वेक्षण ने इस पैमाने को ट्रैक करना शुरू किया है, तब से यह अब तक का सबसे ऊँचा स्तर है। उनकी कुल लोकप्रियता भी जनवरी 2025 के 44 प्रतिशत से घटकर अब 37 प्रतिशत रह गई है।

राष्ट्रपति की राजनीतिक स्थिति कांग्रेस की चुनावी लड़ाई को तेजी से प्रभावित कर रही है। ट्रंप ने खुले तौर पर रिपब्लिकन नेताओं और समर्थकों से कहा है कि वे मिडटर्म चुनावों को उनके राष्ट्रपति कार्यकाल पर जनमत संग्रह की तरह देखें। उन्होंने इस महीने की शुरुआत में डैलस में हुए एक सम्मेलन में पार्टी सदस्यों से कहा था कि वे बैलट पेपर पर उन्हें ही उम्मीदवार मानें।

पोल से पता चलता है कि मतदाताओं ने इस बात को गंभीरता से लिया है। 45 प्रतिशत लोगों ने कहा कि कांग्रेस के लिए उनका वोट मुख्य रूप से ट्रंप के खिलाफ होगा। इनमें पाँच में से लगभग चार डेमोक्रेट्स और करीब आधे स्वतंत्र मतदाता शामिल हैं। लगभग एक चौथाई लोगों ने कहा कि उनका वोट राष्ट्रपति का समर्थन करने के लिए होगा। इस समूह में अधिकतर रिपब्लिकन और 2024 में ट्रंप को वोट देने वाले लोग हैं। लगभग एक-तिहाई लोगों ने कहा कि उनके फैसले में ट्रंप कोई बड़ा कारण नहीं हैं।

डेमोक्रेट्स को मतदाताओं के उत्साह और निर्दलीय मतदाताओं के समर्थन में भी बढ़त मिलती दिख रही है। रिपब्लिकन झुकाव वाले वोटरों के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- इस सर्वे में ट्रंप की अप्रूवल रेटिंग मात्र 39 प्रतिशत है तथा 59 प्रतिशत लोगों ने उनके काम से असहमति जताई है और 53 प्रतिशत ने तो राष्ट्रपति के कार्यकाल को सख्त नापसंद करार दिया।
- ट्रंप, जिन्होंने अपने समर्थकों व पार्टी नेताओं से खुले तौर पर कहा था कि वे मिड टर्म चुनावों को राष्ट्रपति कार्यकाल पर जनमत संग्रह के रूप में देखें, इन नतीजों से अवश्य ही चिंतित हुए होंगे।
- मिड टर्म पोल में जनता, डैमोक्रेट्स तथा निर्दलीय प्रत्याशियों के प्रति भारी उत्साह दिखा रही है।

मुख्यमंत्री रविवार को फिरोजपुर जाएंगे

जयपुर, 26 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रविवार को जयपुर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुनेंगे। इसके बाद, वे पंजाब दौरे के लिए रवाना होंगे, जहां वे फिरोजपुर जिले के गुरु हरसहाय विधानसभा क्षेत्र में गुरुनानक चौक पर दोपहर पौने 2 बजे "नशा विरोधी यात्रा-नशा मुक्त पंजाब" के तहत जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद वे फिरोजपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में चपाती चौक, ममदोट में दोपहर 3 बजे नशा विरोधी यात्रा-नशा मुक्त पंजाब के तहत जनसभा को संबोधित करेंगे।

- वे नशा विरोधी यात्रा की जनसभा को संबोधित करेंगे।